

राज्य का मंत्रिपरिषद

अनु-163: राज्यपाल को सलाह एवं सहायता देने के लिए राज्य का एक मंत्रिपरिषद होगा।

अनु-164: मंत्रिपरिषद का गठन या विस्तार —

↳ विधान सभा के बहुमत दल का नेता राज्य का मुख्यमंत्री होगा,

जिसकी निष्कर्ष राज्यपाल के द्वारा तथा अन्य मंत्रियों की निष्कर्ष मुख्यमंत्री के सलाह पर राज्यपाल द्वारा किया जायेगा।

↳ यदि किसी भी दल को बहुमत नहीं मिल रहा हो तो राज्यपाल मुख्यमंत्री घोषित कर बहुमत सिद्ध करने का प्रयास कर सकेगा।

योग्यता :- ① विधानमंडल के दोनों सदनों में से किसी भी एक सदन का सदस्य हो।

② यदि किसी भी सदन का सदस्य नहीं है, तब भी प्रतिपद धारण कर सकेगा लेकिन 6 माह के भीतर दोनों सदनों में से किसी भी एक सदन की सदस्यता ग्रहण करना अनिवार्य।

मंत्रिपरिषद की संरचना:-



→ मंत्रिमंडल

* राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार.

91वां C.A.A-2003 के द्वारा राज्य में मंत्रिपरिषद की अधिकतम संख्या विधान सभा के कुल सदस्यों का 15% होगा।
↳ राज्य में मंत्रियों की अधिकतम संख्या 12 सदस्य होगा।

अनु०-167:- मुख्यमंत्री का राज्यपाल के प्रति कर्तव्य:-

राज्य के कार्यपालिका से सम्बन्धित समस्त कार्य की सूचना मुख्यमंत्री राज्यपाल को देगा।

महाधिवक्ता - Advocate-Gen.

अठ-165 :- राज्य को विधिक मामले में सलाह-स्व-सहायता देने के लिए एक महाधिवक्ता होगा।

यह राज्य का प्रथम विधिक अधिकारी होता है।

योग्यता :- उच्च न्यायालय में न्यायाधीश बनने योग्य व्यक्ति।

निष्ठा :- राज्यपाल के द्वारा

कार्यकाल :- ① राज्यपाल के प्रसंग पर्यन्त.

② त्यागपत्र राज्यपाल को सौंप सकेगा।

कार्य-शक्ति :-

- ① यह सम्पूर्ण राज्य क्षेत्र में किसी भी न्यायालय में राज्य सरकार के पक्ष से बहस कर सकेगा।
- ^{दुब} ② विधानमण्डल के किसी भी सदन का सदस्य नहीं होते हुए भी सदन की कार्यवाही में भाग ले सकेगा।
चर्चा बहस कर सकेगा, लेकिन मतदान का अधिकार नहीं होगा।

25 Oct 1951 से
21 Feb 1952 तक प्रथम लोक-
सभा का निर्वाचन चला।

संसद → विधि निर्माण का सर्वोच्च व्यापक.
→ इसे ब्रिटेन से लिया गया.
→ इसे बिस्ट्रिबिस्ट्र प्रणाली कहते हैं।

लोकसभा का गठन:- 17 April 1952.

↳ इसके चुनाव में कुल 53 फलों ने भाग लिया।

↳ 22 फलों को 1 या 1 से अधिक सिट प्राप्त हुआ।

राज्यसभा का गठन:-

31 April 1952 को स्थापना।

13 May 1952 को गठन।

स-79
र-80
ला-81

संसद 79

राष्ट्रपति
अनु. 52.

लोकसभा
अनु. 81

राज्यसभा
अनु. 80

प्रथम सदन / निम्न सदन
लोक प्रिय सदन

द्वितीय सदन / उच्च सदन
स्थायी सदन

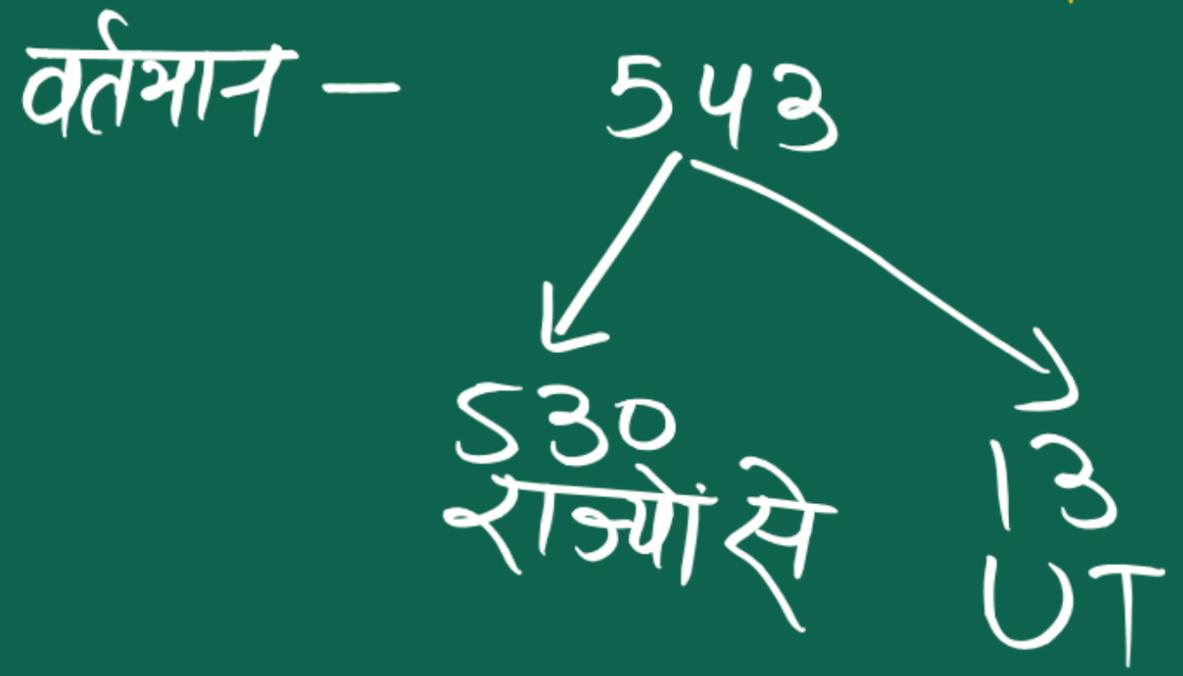
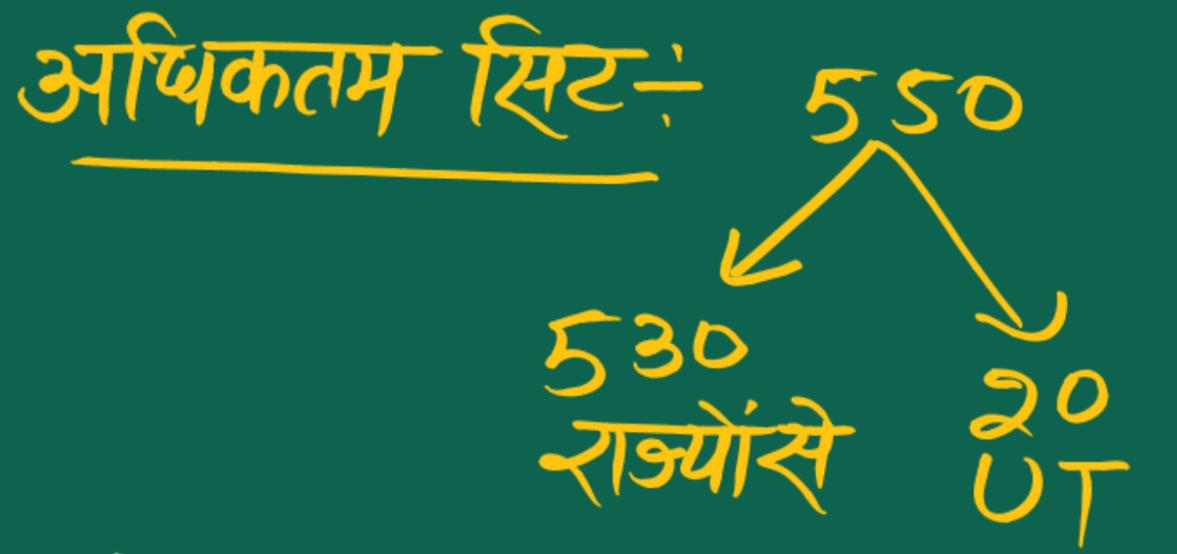
अध्यक्ष
उपाध्यक्ष

सदस्यों में से
सदस्यों द्वारा

सभापति - उपराष्ट्रपति
उपसभापति

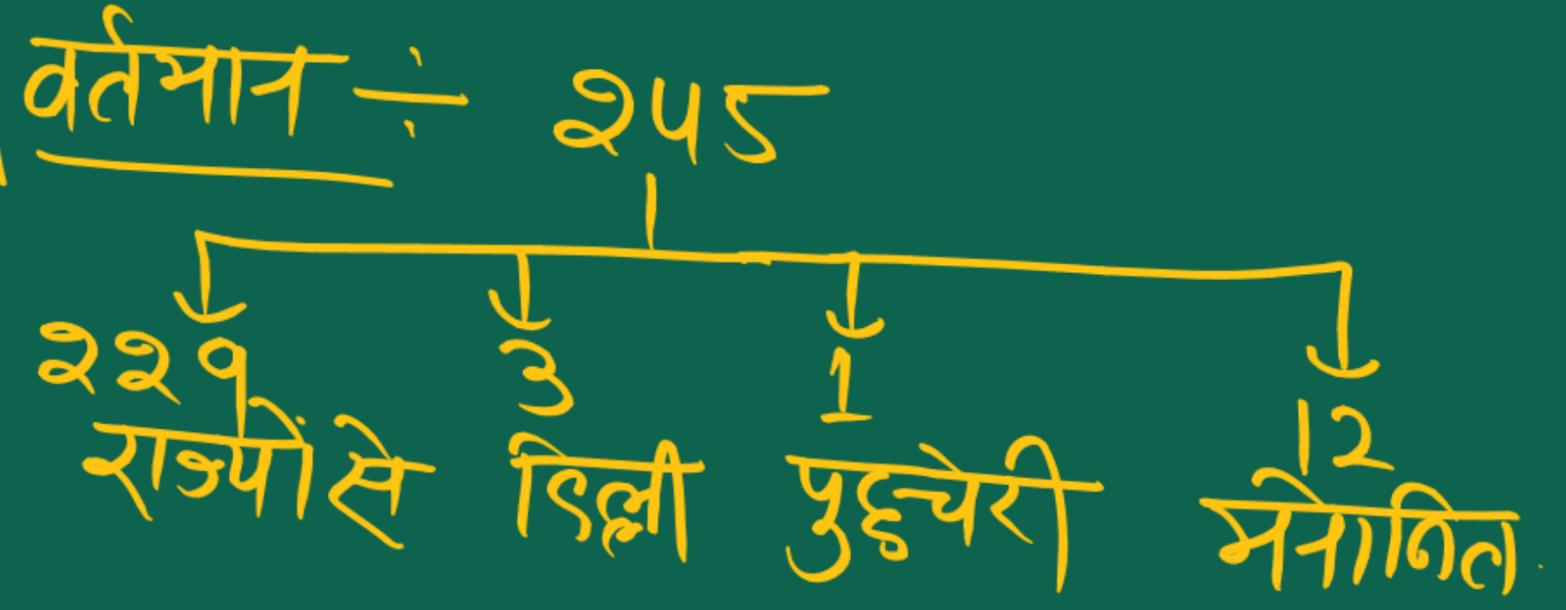
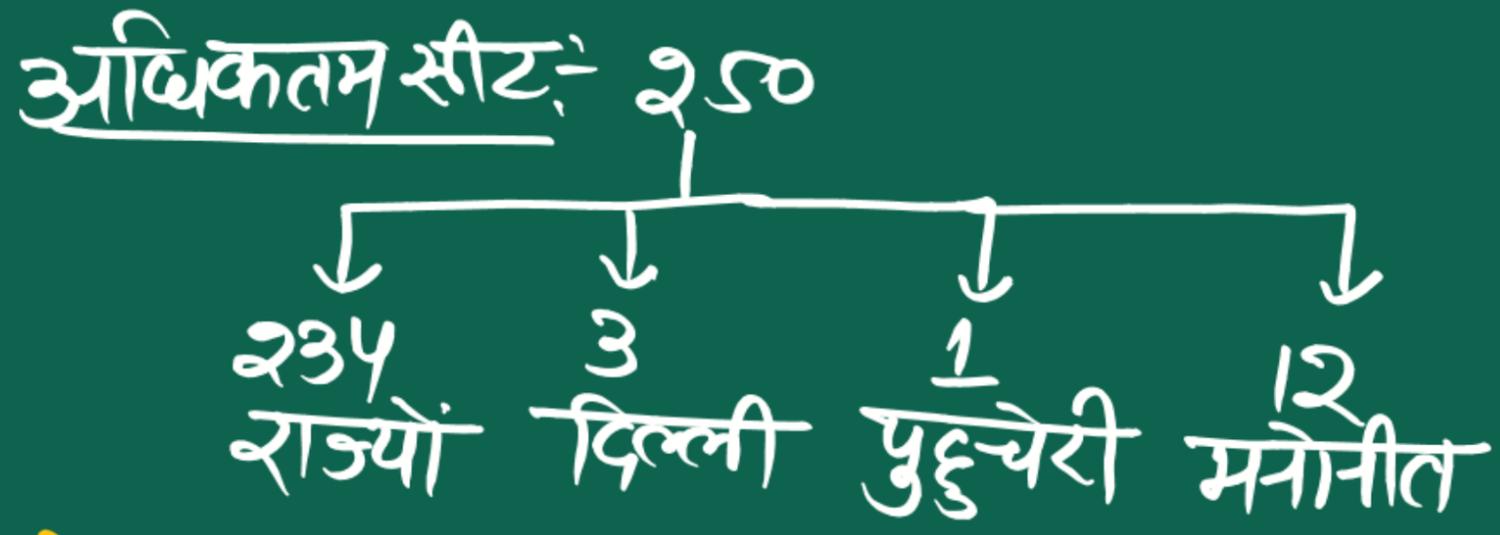
अनु. 89.

अनु. 93.



2026 तक अपरिवर्तित

1971 की गणना



योग्यता:- अउ०-84

- ① भारत का नागरिक हो।
- ② न्यूनतम आयु-25 वर्ष
- ③ लाभ के पद पर नहीं हों।

निर्वाचन:- ① प्रत्यक्ष रूप से जनता के द्वारा

② 2 Anglo-Indian का

↓ मनोनयन राष्ट्रपति द्वारा

104वां C.A.A-2020 के द्वारा

मनोनयन समाप्त।

योग्यता - अउ०-84.

- ① भारत का नागरिक हो.
- ② न्यूनतम आयु 30 वर्ष हो.
- ③ लाभ के पद पर नहीं हो।

निर्वाचन:-

① अप्रत्यक्ष रूप विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा, अल्पाधिक प्रणाली से।

② 12 सदस्यों का मनोनयन पधेलों से राष्ट्रपति द्वारा किया जाएगा।

अनु०-४३- कार्यकाल:

- ① 5 वर्ष के बाद स्वतः विघटित
- ② इससे पहले मंत्रिपरिषद की सलाह पर राष्ट्रपति भंग कर सकेगा।
- ③ राष्ट्रीय आपात काल की स्थिति में प्रत्येक वृद्धि पर कार्यकाल में एक साल की वृद्धि।

अनु-४३: राज्य सभा का कार्यकाल.

- ① स्थायी सदन है, कभी विघटित नहीं होता।
 - ② सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है।
 - ③ प्रत्येक 2 वर्ष पर $\frac{1}{3}$ सदस्यों का कार्यकाल पूर्ण।
- Note: राज्य सभा का निर्वाचन प्रत्येक 2 वर्ष पर होता है।

कार्य-शक्ति:

- ① विधेयकों को पारित करना.
- ② धन विधेयक पर एकाधिकार है।
- ③ मंत्रीपरिषद् को उत्तरदायी बनाना.

सत्व - ① शित सत्व
② वज्रट सत्व
③ मानसुप्त सत्व.

गणपुर्ति/कोरम - सदस्यों का 1/10

कार्य-शक्ति:

- ① विधेयकों को पारित करना.
 - ② धन विधेयक को 14 दिन तक रोक सकेगा।
 - ③ अपराहटपति को पद से हटाने, अड, 249 और 312 पर एकाधिकार
- सत्व - शित सत्व, वज्रट सत्व
मानसुप्त सत्व.

गणपुर्ति/कोरम - सदस्यों का 1/10

राज्य के विधि
प्रभाग की विधायिका

विधान मण्डल अड-168.

राज्यपाल
अड-153

विधान सभा

170

प्रथम सदन, मित्र सदन
भोक्तृप्रिय सदन

विधान परिषद

गज/उत्सादन
169

संरचना
171

द्वितीय सदन / उच्च सदन
स्थापी सदन

वर्तमान में 6 राज्य में है -

उ० प्र०, बिहार
महाराष्ट्र, कर्नाटक
आन्ध्र प्रदेश,
तेलंगाणा.



विधान सभा की अधि० - 500

न्यूनतम - 60

अपवाद

मिजोरम - 40

गोवा - 40

हिमाचल - 32

उडुचेरी - 30

कम

✓ विधान परिषद की अधिकतम :-

विधान सभा का $\frac{1}{3}$

न्यूनतम - 40

योग्यता :-

- ① भारत का नागरिक हो।
- ② न्यूनतम आयु 25 वर्ष पूर्ण हो
- ③ लाभ के पद पर नहीं हो।

निर्वाचन :-

① प्रत्यक्ष रूप से जनता के द्वारा

② 1 Anglo-Indian मनोनयन राज्यपाल द्वारा

104 C-AM 2020

आंग्ल + भारतीय (संलग्न) प्रिविलेज

योग्यता :-

- ① भारत का नागरिक हो।
- ② न्यूनतम आयु 30 वर्ष पूर्ण हो।
- ③ लाभ के पद पर नहीं हो।

निर्वाचन :-



कार्यकाल :-

- ① प्रत्येक 5 वर्ष पर स्वतः
विद्यमान
- ② राष्ट्रीय आपातकाल की स्थिति
में विधान सभा के कार्यकाल
में प्रत्येक चौषड़ा पर एक
साल वृद्धि ।

कार्यकाल :-

- ① स्थायी सदन है, विद्यमान नहीं होगा.
- ② सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष का
- ③ प्रत्येक 2 वर्ष पर 1/3 सदस्यों का
कार्यकाल पूर्ण ।

कार्प / शाकल

- ① विधेयकों को पारित करना.
- ② धन विधेयक पर एकाधिकार.
- ③ मंत्रिपरिषद् को उत्तर देना.

सब - शितल सब, वजट सब, मानधून सब.

गणपति / कोरम - सदस्यों का 1/10

कार्प - शाकली

- ① प्रथम बार से पारित विधेयक को 3 माह तक.
- द्वितीय बार से पारित विधेयक को 1 माह तक रोक सकेगा.

↳ धन विधेयक पर 14 दिन रोक लगा सकेगा।

सब - शितल सब वजट सब
मानधून सब.

गणपति - सदस्यों का 1/10.